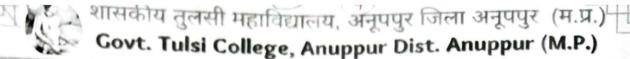
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in

m 200

National E-Research Seminar on Impact of globalization and marketism in literature (24-08-2020)



हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित

एक दिवलीय राष्ट्रीय ई-शोध संगोधी

दिनांक : 24 अगस्त 2020 समय : प्रातः 11 बजे से

शीर्षक

साहित्य में वैश्वीकरण और बाजारवाद का प्रभाव

अनूपपुर का परिचय

मध्य प्रदेश का यह अनूपपुर जिला राज्य के दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित है। इसका गठन 15 अगस्त, 2003 को शहडोल जिले से अलग करके किया गया था। आदिकाल से इस जिले का अपना एक महत्व रहा है। विंध्य और मैकल पर्वत श्रेणियों की उत्कृष्टता में लिप्त, शानदार अमरकंटक मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में सबसे प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है। यह रमणीक स्थल, दो प्रसिद्ध नदियों, माँ नर्मदा एवं सोन की उत्पत्ति के रूप में जाना जाता है, जो अमरकंटक के बारे में कई कहानियों को बयां करता हैं। यह स्थान पवित्र नदियों के उद्गम स्थलों, तालाबों, ऊंची-ऊंची जल धाराओ, पर्वत श्रृंखलाओं, वन संपदा एवं वन्यजीवों और घने जंगलों के साथ अपने आगंतुकों का मनोरंजन करने के लिए आतुर है, जो इस अद्भुत अनूपपुर जिले का एक भूभाग है।

महाविद्यालय का परिचय

अनूपपुर जिले के जिला मुख्यालय पर तुलसी महाविद्यालय की स्थापना प्रथमतः अशासकीय महाविद्यालय के रूप में विंध्य क्षेत्र के यशस्वी जन नेता स्व.पं. श्री शम्भूनाथ शुक्ल की प्रेरणा एवं पूजनीय संत सिरोमणि श्री रामसुभग दास महाराज (फट्री बाबा) के अथक प्रयास, सहयोग तथा मार्गदर्शन से 25 जुलाई 1972 को हुई थी। 01 अगस्त सन 1986 में महाविद्यालय के शासनाधीन होने के फलस्वरूप यहाँ स्नातक स्तर पर कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के समस्त विषयों का तथा स्नातकोत्तर में हिन्दी, इतिहास, समाज शास्त्र, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र. वाणिज्य,रसायन शास्त्र एवं वनस्पति शास्त्र का अध्यापन होता है। प्रारम्भ से ही यह महाविद्यालय अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से संबद्ध है। महाविद्यालय परिसर लगभग 13 एकड़ भूमि का है, जिसमे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सभी आधारभूत सुविधाएँ जैसे पस्तकालय. वाचनालय, जनजातीय विभाग से छात्राओं हेतु एक सर्वसुविधा युक्त आदिवासी कन्या छात्रावास, सुसज्जित प्रयोगशालाएँ, क्रीड़ा मैदान, खेल सामग्री, बागवानी, तुलसी औषधीय उद्यान इत्यादि पूर्ण विकसित रूप में उपलब्ध है। यहाँ महाविद्यालयीन शिक्षा में मानवीय मुल्यों के सृजन, आत्मसम्मान, स्वावलंबन के गुणों के विकास के अवसर उपलब्ध हैं। प्रतियोगिता परीक्षाओं एवं रोजगार परामर्श के अवसर उपलब्ध हैं। इस सारस्वत संकल्प में विद्यार्थी, अविभावक एवं शिक्षक शामिल हैं। वास्तव में महाविद्यालयीन छात्रों को पल्लवित-पुष्पित कर उन्हें सुयोग्य, कर्मठ, चरित्रवान तथा निष्ठावान बनाने का यह प्रमुख केंद्र है। PRINCIPAL

Sovt. Tulsi College Anuppur Dist: Anuppur (M.P.)



Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in

ई- शोध संगोष्ठी की अवधारणा:

वैश्वीकरण एक जटिल आर्थिक सांस्कृतिक और सामाजिक प्रक्रिया है जिसमें समय और दूरी के परिपेक्ष में राष्ट्र की सीमाओं को तोड़कर चलने वाले उन्मुक्त व्यापार का यथार्थ है। वैश्वीकरण की राजनीति, संस्कृति, अर्थतंत्र, बाजारवाद, प्रौद्योगिकी, संचार माध्यम आदि क्षेत्रों में विशेष भूमिका रही है। इसे विश्वग्राम की संज्ञा दी गई है। यह अवधारणा भारत में प्राचीन काल से चली आ रही "वसुधेव कुटुंबकम" की अवधारणा के निकट दिखाई देती है किंतु विश्वग्राम का यह दर्शन "वसुधैव कुटुंबकम" के बिल्कुल विपरीत है। क्षेत्र, प्रदेश और राष्ट्र की सीमाओं को पार करते हुए विश्व समुदाय के साथ आर्थिक बौद्धिक, वैज्ञानिक, संस्कृतिक, भाषा और साहित्य के क्षेत्र में सहभागिता एवं आदान प्रदान करना ही वैश्वीकरण है। इसी संदर्भ में आर्थिक निर्भरता एवं विश्व बाजार का निर्माण हो रहा है। इसमें एक देश के अर्थतंत्र को विश्व की अर्थव्यवस्था से जुड़ने का प्रयास है। वास्तव में पूंजी का उन्मुक्त प्रयास सुनिश्चित करना वैश्वीकरण का उद्देश्य है। इसमें बाजार का विशेष योगदान है। वैश्विक अर्थव्यवस्थाएँ परस्पर निकट आती हैं जिसके फलस्वरूप विश्व-व्यापार, वित्त-निवेश तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों का विस्तार होता है। इसमें उदारीकरण एवं निजीकरण का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। परिणामस्वरूप आज पूरा विश्व एक बाजार बन गया है जहां प्रत्येक वस्तु उपभोग की वस्तु बन गई है। ऐसे में प्रत्येक देश की अपनी सांस्कृतिक पहचान और अस्मिता खतरे में पड़ने की संभावना भी बढ़ी है। भाषा, साहित्य और संस्कृति का संकट भी उद्भूत हुआ है। चूँकि वैश्वीकरण का संबंध बाजार से है और बाजार भाषाओं के बाहुल्य को स्वीकार नहीं करता, वह केवल एक भाषा को लाने की कोशिश करता है। वह अधिक भाषाओं को उतना ही सहन करता है जितना उसके वाणिज्य-व्यापार में बाधा ना डालें। अतएव वही भाषा स्थाई रह सकती है जिसकी अपनी अस्मिता या पहचान हो। वैश्विक बाजारवाद के कारण ही विश्व के अनेक देशों के लिए भारत एक लाभदायी बाजार के रूप में विकसित हो रहा है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जाल बिछ रहा है। ऐसे में पाश्चात्य संस्कृति और अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य से भारतीय संस्कृति, शिक्षा तथा भाषाएं प्रभावित हो रही हैं। हिंदी भारतीय संस्कृति की संवाहक है। हिंदी के माध्यम से विश्व बिरादरी को भारतीय संस्कृति से परिचित होने का अवसर मिल रहा है। लेकिन वैश्विक चुनौतियों के कारण हिंदी को अभी तकनीकी दृष्टि से और समर्थ बनाना है। इस एक दिवसीय राष्ट्रीय ई-शोध संगोष्ठी के माध्यम से हिंदी के भूमंडलीय भाषा के रूप में विस्तार, उद्यम, व्यापार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा अनेक देशों में बाजारवाद के फलस्वरूप हिंदी को शिक्षा, प्रौद्योगिकी और विज्ञान की भाषा के रूप में अधिक सशक्त बनाना है। यद्यपि इस दिशा में अनवरत कार्य हो रहा है। फिर भी वैज्ञानिक लेखन एवं उच्च शिक्षा में विशेषत: शिक्षण की दिशा में हिंदी के उन्नयन का सुनहरा पृष्ठ लिखा जाना अभी भी प्रतीक्षित है। PRINCIPAL

Jaithari Road Anuppur, District- Anuppur, Madhya Pradesh, Pin Code:- 484224 www.gtcanuppur.ac.in

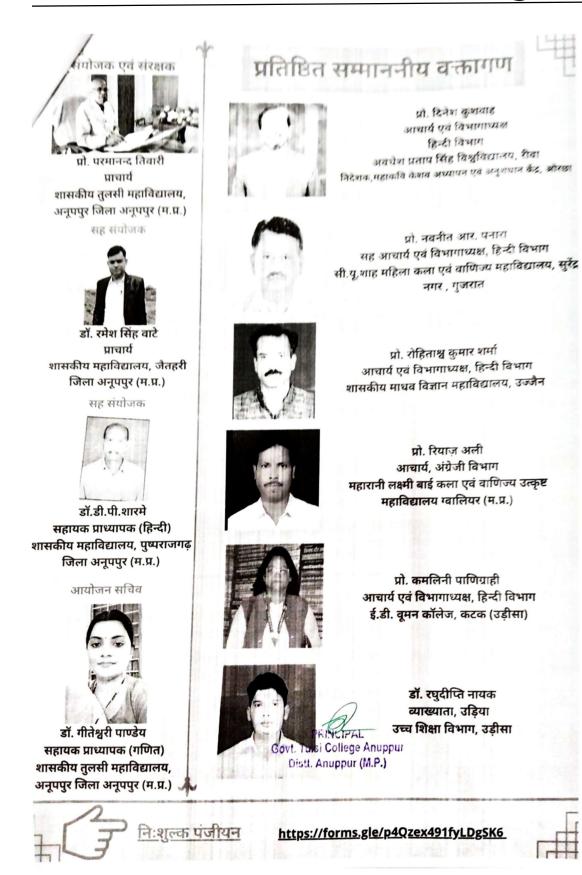
Govt. Tulsi College Anuppur Distt. Anuppur (M.P.)



Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in





Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in

सलाहकार समिति

- . प्रो. तीर्थेश्वर सिंह, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक जिला अनूपपुर (म.
- 2. प्रो. दिनेश कुशवाह, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)
- 3. प्रो. नीलमणी दुबे, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, पं.शम्भू नाथ शुक्ल विश्वविद्यालय, शहडोल जिला शहडोल (म.प्र.)
- 4. डॉ.आर.आर.सिंह, समन्वयक, नेहरू युवा केंद्र, शहडोल जिला शहडोल (म.प्र.)
- 5. प्रो. प्रेम शंकर शुक्ल, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, सेठ रघुनाथ प्रसाद महाविद्यालय, हनुमना जिला रीवा (म.प्र.)
- 6. एडवोकेट श्री एस. के. दुबे, उच्च न्यायालय, इलाहबाद प्रयागराज (उ. प्र.)

आयोजन समिति

- 1. डॉ. जे. के. संत, सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग, शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)
- 2. डॉ. देवेंद्र तिवारी, संचालक, पी.आर.टी. महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)
- 3. डॉ. विवेक पटेल, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, शासकीय महाराजा मार्तण्ड महाविद्यालय, कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र.)
- 4. डॉ. माया पारस, सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, शासकीय महाविद्यालय, राजनगर जिला अनूपपुर (म.प्र.)
- 5. श्री ज्ञान प्रकाश पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक, समाज शास्त्र विभाग, शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)
- 6. श्री शाहबाज खान, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)
- 7. सुश्री पूनम धांडे, सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग, शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)
- 8. डॉ. तरन्नुम सरवत, अतिथि प्राध्यापक, समाज शास्त्र विभाग, शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)
- 9. श्री कृष्ण चंद सोनी अतिथि प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)

पंजीयन आवेदन लिंक: https://forms.gle/p4Qzex491fyLDgSK6



व्हाट्सएप्प ग्रुप लि

ग्रुप B: <u>https://chat.whatsapp.com/DMqkJ60fwPl1rsAf2SPgwX</u>



कार्यक्रम दिशा निर्देश

पुप A: <u>https://chat.whatsapp.com/J8Th7MJw8fXIrHm5lkxfFr</u>

- सभी प्रतिभागी पंजीयन आवेदन फार्म में अपनी सम्पूर्ण जानकारी सही-सही भरें।
- कार्यक्रम की सम्पूर्ण रूपरेखा एवं कार्यक्रम संचालन की लिंक दिनांक 23 अगस्त को क्रार्यक्रम के व्हाट्सएप्प ग्रुप पर उपलब्ध कराई जाएगी। PRINCIPAL
- कार्यक्रम का संचालन गूगल मीट पर होगा।

Govt. Tulsi College Anuppur • सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम के व्हाट्सएप्प ग्रुप की सदस्यता लेना अनिवर्षि है (Anuppur (M.P.)

- व्हाट्सएप्प ग्रुप की लिंक पंजीयन आवेदन फार्म के साथ संलग्न है।
- सिर्फ पंजीकृत एवं प्रतिपुष्टि (फीडबैक) भरने वाले आवेदकों को ही प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।
- पंजीयन निःशुल्क है। पंजीयन की अंतिम तिथि 23 अगस्त 2020 शाम 8 बजे है।
- कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागी अपना-अपना कैमरा एवं माइक बंद रखेंगे। सिर्फ वक्ताओं के कैमरे खुले रहेंगे।
- ऊपर दिए गए क्यू.आर. कोड को स्कैन कर एवं दिए गए लिंक से पंजीयन आवेदन फार्म भरा जा सकेगा।

कार्यक्रम से सम्बंधित जानकारी के लिए संपर्क करें: +91-9165534329 , +91-9584863946 ई-मेल : maths.giteshwari@gmail.com

Jaithari Road Anuppur, District- Anuppur, Madhya Pradesh, Pin Code:- 484224 www.gtcanuppur.ac.in



m
 m
 9893076404



Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in

प्रतिवेदन

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन 24 अगस्त 2020 को किया गया इसका विषय है "साहित्य में वैश्वीकरण और बाजारवाद का प्रभाव" । इस संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रोफ़ेसर दिनेश कुशवाहा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा, निदेशक महाकवि केशव अध्यापन एवं अनुसंधान केंद्र ओरछा, विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर नवनीत पनारा, सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, सीयू शाह महिला कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय सुरेंद्रनगर गुजरात, प्रोफ़ेसर रोहिताश्व कुमार शर्मा, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय उज्जैन, प्रोफेसर रियाज अली, आचार्य अंग्रेजी विभाग, महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य उत्कृष्ट महाविद्यालय ग्वालियर, प्रोफेसर कमलिनी पाणिग्रही, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, वूमेन कॉलेज कटक उड़ीसा, डॉ. रघुदीप नायक, व्याख्याता उड़िया, उच्च शिक्षा विभाग उड़ीसा रहे । इस कार्यक्रम के संयोजक एवं संरक्षक महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर परमानंद तिवारी, सह संयोजक डॉ. रमेश सिंह वाटे, प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय जैतहरी, दूसरे सह संयोजक, डॉ. डी. पी. सारमे, सहायक प्राध्यापक, हिंदी, शासकीय महाविद्यालय पुष्पराजगढ़ जिला अनूपपुर त<mark>था</mark> आयोजन सचिव डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक, गणित, शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर रहीं । कार्यक्रम का संचालन डॉ. रश्मि निगम, आर.जी.पी.वी. भोपाल द्वारा किया गया । कार्यक्रम की समरी डॉ. ममता उपाध्याय, जी.डी.सी. रीवा द्वारा प्रस्तुत की गई तथा डॉ. सरोज गोश्वामी, जी.डी.सी. रीवा द्वारा मुख्य अतिथि महोदय का परिचय दिया गया ।

PRINCIPAL Govt. Tulsi College Anuppur Distt. Anuppur (M.P.)

प्राचार्य शा तुलसी महाविद्यालय अनूषपुर जिला अनूपपुर (म प्र)

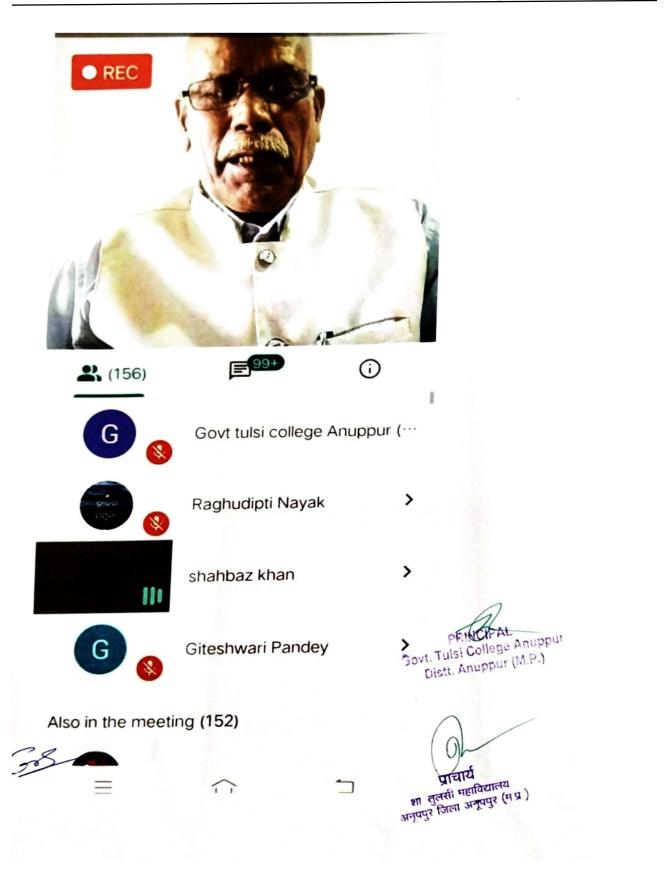


Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in

(2)9893076404





Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in

(2)9893076404



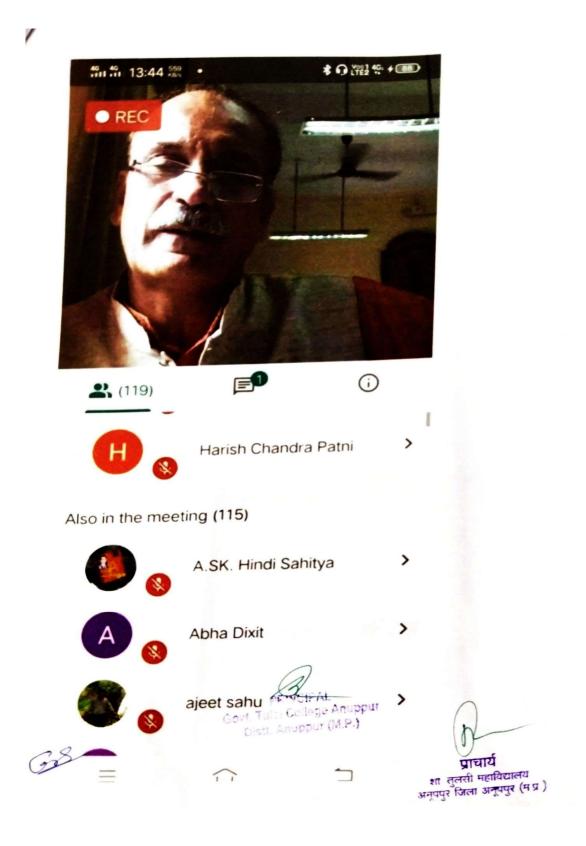


Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in

(2)9893076404



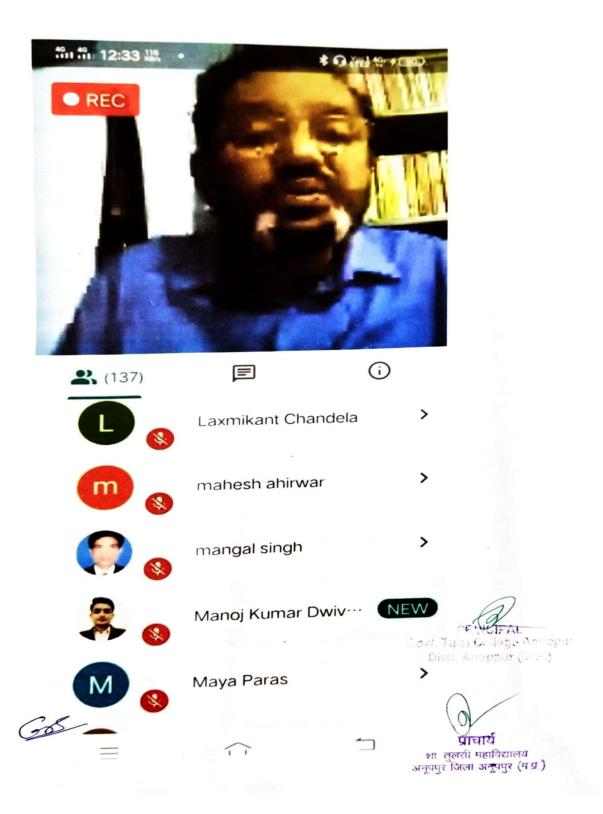


Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in

(2)9893076404



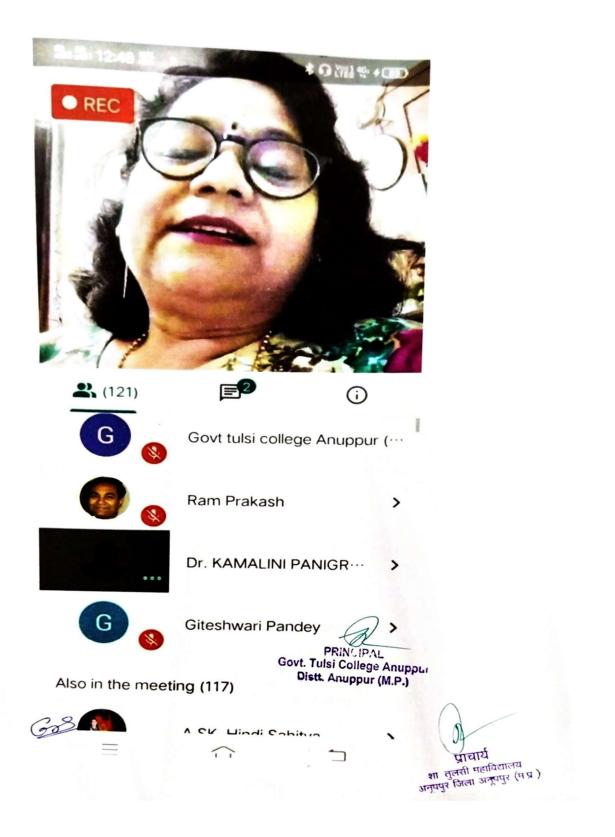


Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in

(2)9893076404



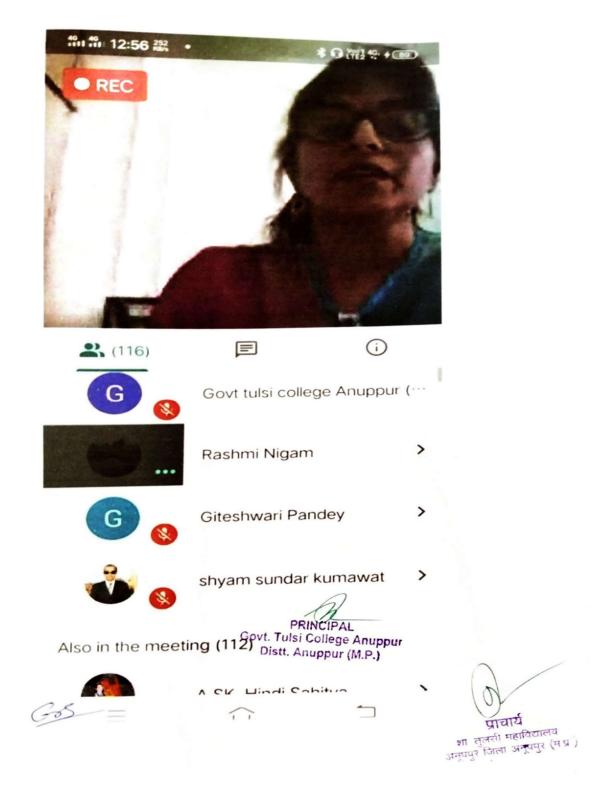


Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in

(2)9893076404





Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in

29893076404



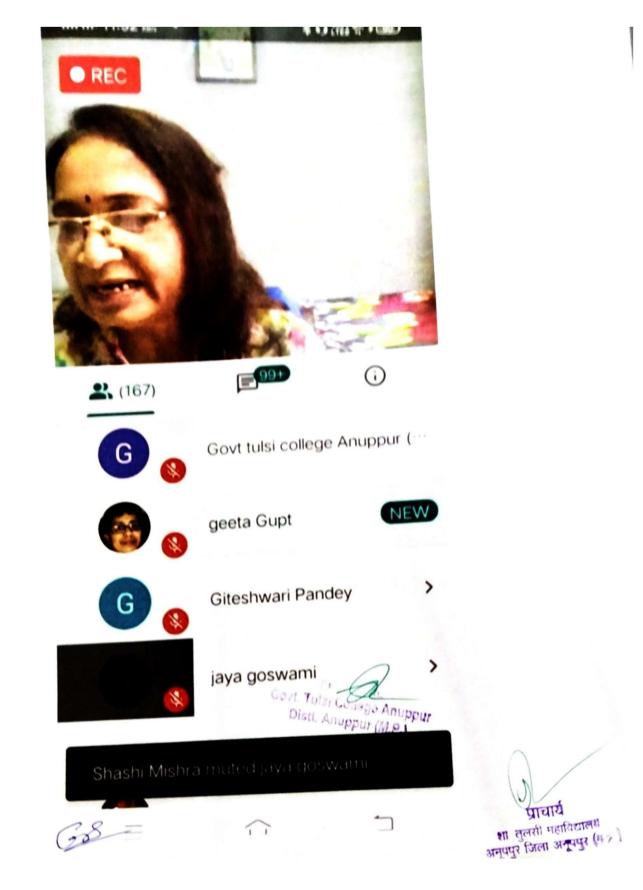


Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in

29893076404





Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in

(2)9893076404

